साहित्योत्सव
Festival of Letters
28 जनवरी - 2 फ़रवरी 2019
भाषाएँ अनेक • देश एक
दैनिक समाचार बुलेटिन
मंगलवार, 29 जनवरी 2019

साहित्य अकादेमी प्रदर्शनी का उद्घाटन

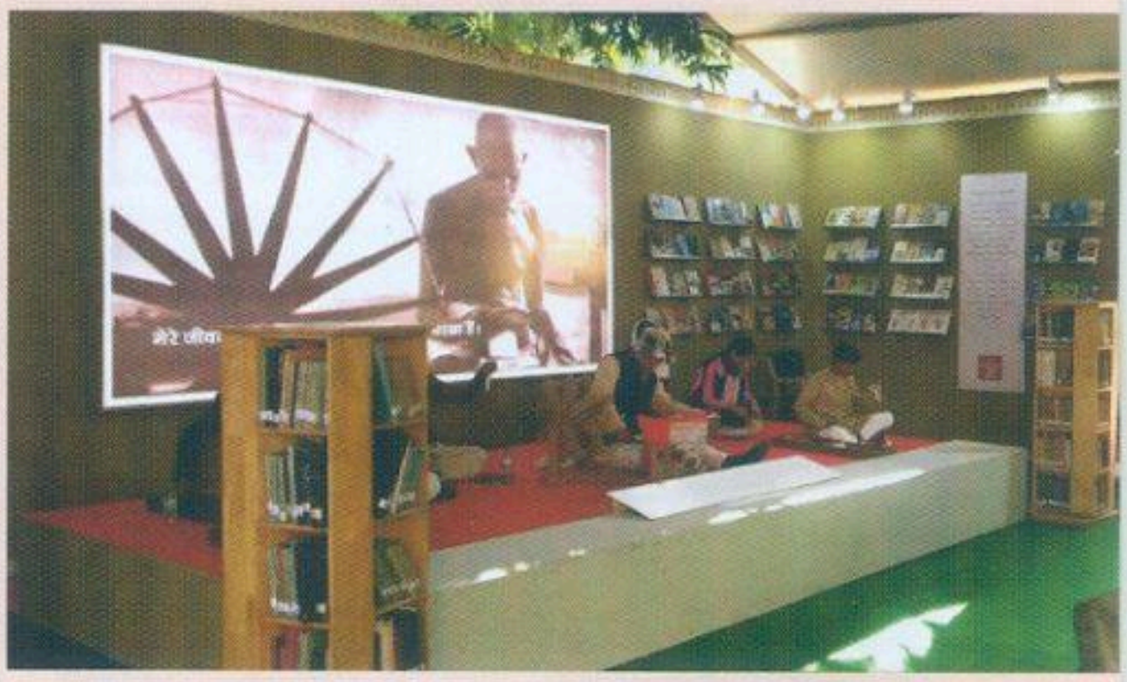

साहित्य अकादेमी द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किए जानेवाले वार्षिक उत्सव - साहित्योत्सव 2019 - का आरंभ 28 जनवरी 2019 को साहित्य अकादेमी की प्रदर्शनी के उद्घाटन से हुआ। इस प्रदर्शनी में अकादेमी की वर्षभर की गतिविधियों को प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी का उद्घाटन पद्मभूषण से अलंकृत प्रख्यात लेखक, दार्शनिक, शिक्षाविद् एवं राज्यसभा के पूर्व सदस्य मृणाल मिरी द्वारा पूर्वाह्न 10 बजे रवींद्र भवन परिसर में किया गया। इस अवसर पर पारंपरिक दक्षिण भारतीय वाद्य यंत्रों के स्वरों के बीच दीप प्रज्वलन भी किया गया। मृणाल मिरी के साथ साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार, उपाध्यक्ष माधव कौशिक, साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव एवं विभिन्न भारतीय भाषाओं के संयोजक भी उपस्थित थे। अपने संबोधन में साहित्य अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने बताया कि इस प्रदर्शनी में जहाँ पिछले वर्ष की प्रमुख गतिविधियों को दर्शाया गया है, वहीं महात्मा गाँधी के 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में एक विशेष कॉर्नर बनाया गया है, जिसमें महात्मा गाँधी द्वारा लिखित और उन पर लिखी गईं लगभग 700 पुस्तकें भी प्रदर्शित की जा रही हैं। उन्होंने साहित्योत्सव के दौरान अकादेमी द्वारा आयोजित किए जानेवाले कार्यक्रमों विशेषकर अखिल भारतीय आदिवासी लेखिका सम्मिलन और ट्रांसजेंडर कवि सम्मिलन के बारे में भी जानकारी दी। साहित्य अकादेमी की वर्ष 2018 की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष अकादेमी द्वारा 501 साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें नागालैंड, मिजोरम और अंडमान एवं निकोबार में पहली बार कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा 493 पुस्तकें प्रकाशित की गईं। अकादेमी ने 197 से ज़्यादा पुस्तक मेलों में भागीदारी की और पुस्तकों की बिक्री राशि 4.25 करोड़ रही। उद्घाटन के पश्चात् सचिव महोदय द्वारा विशिष्ट अतिथियों को पूरी प्रदर्शनी का अवलोकन कराया गया।

आज के कार्यक्रम

अखिल भारतीय आदिवासी लेखिका सम्मिलन
रवींद्र भवन परिसर, पूर्वाह्न 10 बजे

अकादेमी पुरस्कार विजेताओं की मीडिया से बातचीत
रवींद्र भवन परिसर, पूर्वाह्न 10.30 बजे

साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2018 अर्पण समारोह
कमानी सभागार, सायं 5.30 बजे

सांस्कृतिक कार्यक्रम : नाटय-कथा : कृष्ण
सोनल मानसिंह एवं समूह द्वारा
कमानी सभागार, सायं 7 बजे

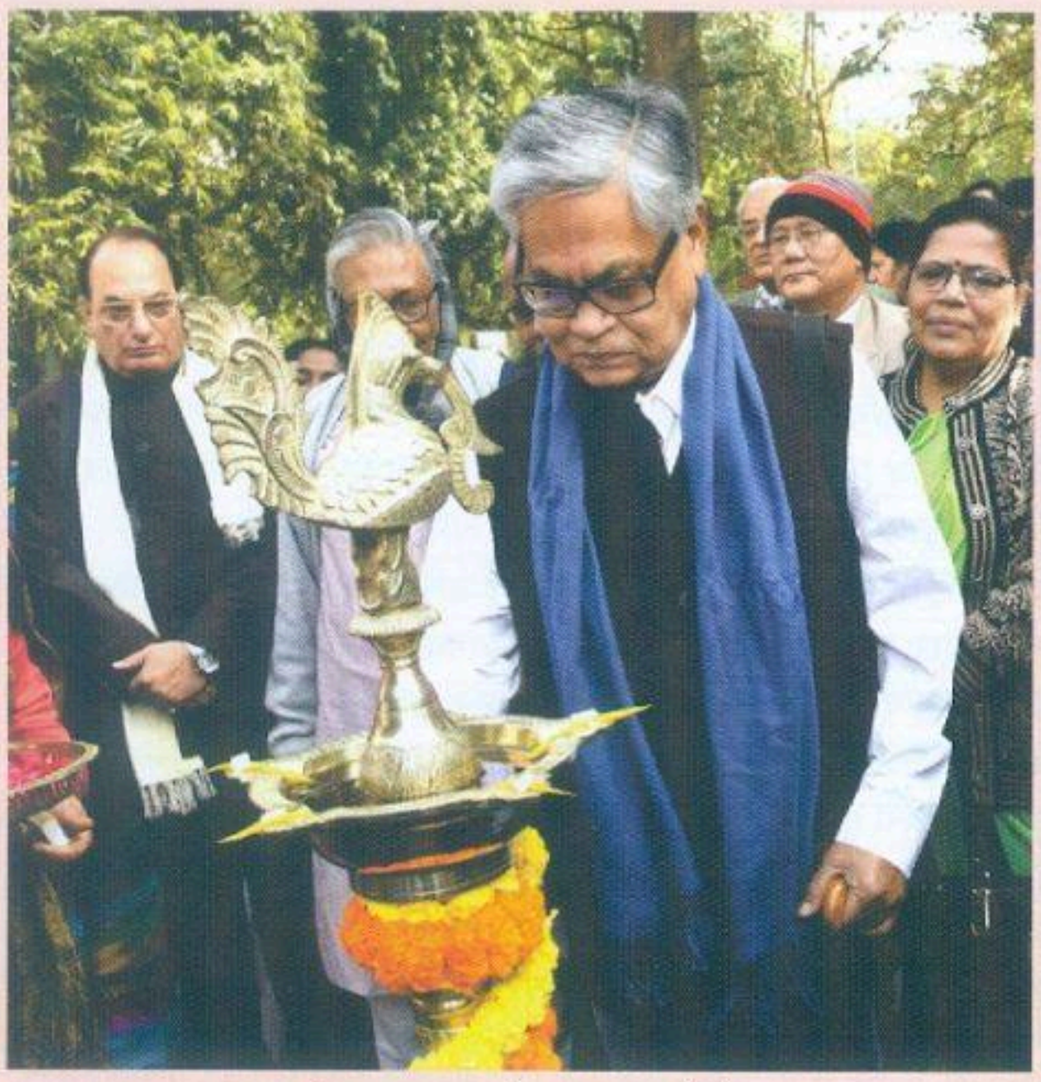

दीप प्रज्वलन करते हुए मृणाल मिरी

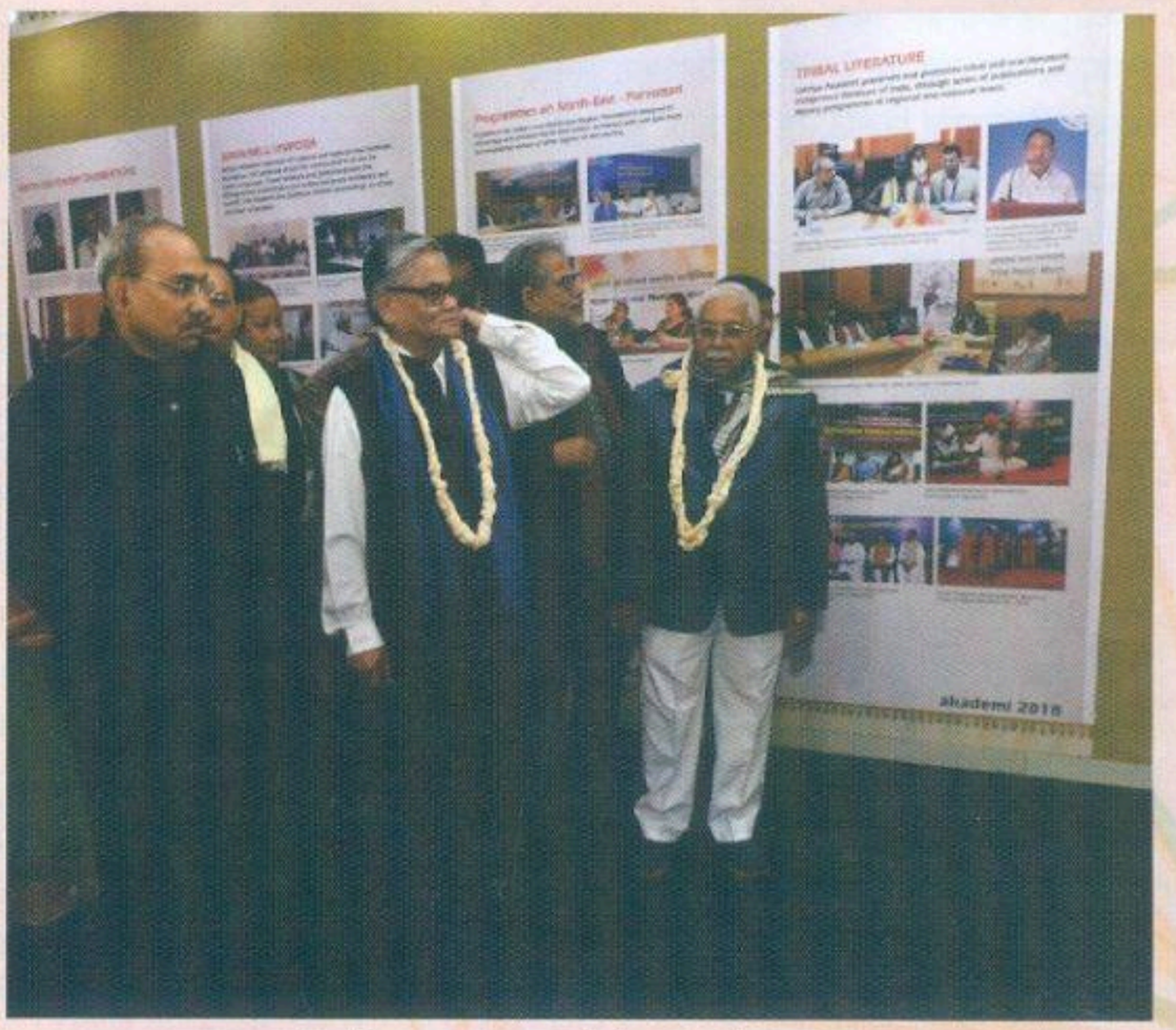

के. श्रीनिवासराव, मृणाल मिरी एवं चंद्रशेखर कंबार

अखिल भारतीय आदिवासी लेखिका सम्मिलन

चंद्रशेखर कंबार, के. श्रीनिवासराव, माधव कौशिक एवं अनिता अग्निहोत्री

दोपहर 3 बजे अखिल भारतीय आदिवासी लेखिका सम्मिलन आयोजित किया गया, जिसकी विशिष्ट अतिथि प्रख्यात बाङ्ला लेखिका अनिता अग्निहोत्री थीं। स्वागत भाषण देते हुए अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि आदिवासी साहित्य सबसे प्राचीन साहित्य है और इसको सुरक्षित रखना हम सबकी ज़िम्मेदारी है। अकादेमी अपने साहित्योत्सव मे इस तरह का आयोजन पहली बार कर रही है और आगे भी उन्हें समय-समय पर मंच प्रदान करती रहेगी। इस कार्यक्रम में 36 भाषाओं की 43 आदिवासी लेखिकाओं को आमंत्रित किया गया है। अनिता अग्निहोत्री ने अपने उद्घाटन भाषण में आदिवासी इलाकों में अपने प्रवास के अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि अपनी रचनाओं में उन्होंने भी महाश्वेता देवी की भाँति ही पिरोने का प्रयास किया है। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में चंद्रशेखर कंबार ने कहा कि आदिवासी समाज को मुख्य धारा में लाने के लिए हम उन्हें आधुनिक शिक्षा देना चाहते हैं और ऐसा करते ही लोकसाहित्य और स्मृतियाँ मरने लगती हैं। इन्हें बचाना ज़रूरी है। समाहार वक्तव्य में माधव कौशिक ने कहा कि आदिवासी साहित्य और संस्कृति हमारी सभ्यता रूपी इमारत की नींव की तरह हैं, जिनपर हम नई नई मंज़िलें डालते जा रहे हैं। सम्मिलन में सिंधु सी. (बेट्टाक्कुरुम), सीना थानचांगड (बेट्टाक्कुरुम), कविता कुसुगल (बेड़ा), वंदना टेटे (खड़िया), उषा एस. (मालवेट्टुवन), धान्या के. (माविलन), हेसेल सारू (मुंडारी), फ्रांसिस्का कुजूर (ओराँव), रश्मि एम. (पानियाँ), सोनल राठवा (राठी) तथा कुमुदा बी. (वागड़ी) ने अपनी गद्य-पद्य रचनाओं का पाठ किया। कुछ लेखिकाओं ने अपने आदिवासी समुदायों से संबंधित आधारभूत जानकारियाँ भी दीं तथा मूल भाषा में अपनी रचनाओं के साथ-साथ हिंदी अथवा अंग्रेज़ी में उनके अनुवाद प्रस्तुत किए। प्रस्तुत रचनाएँ आदिवासी जीवन के संघर्षों के साथ-साथ आधुनिक समय-समाज के सरोकारों से जुड़ी थीं, जिन्हें काफ़ी पसंद किया गया। कार्यक्रम का संचालन अकादेमी के हिंदी संपादक अनुपम तिवारी ने किया।

साहित्य अकादेमी अनुवाद पुरस्कार 2018 की घोषणा

भाषा	अनुवाद का शीर्षक	अनुवादक	मूल पुस्तक, विधा, भाषा एवं लेखक का नाम
असमिया	रामायण : गंगार परा ब्रह्मपुत्रलै	पार्थ प्रतिम हाज़रिका	रामायण : फ्राम गंगा टू ब्रह्मपुत्र (निबंध-विनिबंध), अंग्रेज़ी, ईंदिरा गोस्वामी (मामनि रयसम गोस्वामी)
बाङ्ला	लेप ओ अन्यान्य गल्प	मबिनुल हक़	लिहाफ़ (द क्विल्ट, 1942) एंड अदर स्टोरीज़, उर्दू, इस्मत चुग़ताई
बोडो	बिनदिनी	नबीन ब्रह्म	चोखेर बाली (उपन्यास), बाङ्ला, रवींद्रनाथ ठाकुर
डोगरी	पखेरू	नरसिंह देव जम्वाल	पखेरू (कहानी), उर्दू, रामलाल
अंग्रेज़ी	द तमिळ स्टोरी - थ्रू द टाइम्स, थ्रू द टाइड्स	सुबाश्री कृष्णास्वामी	संकलन (कहानी-संग्रह), तमिळ, विभिन्न लेखक
गुजराती	मायादर्पण	वीनेश अंताणी	मायादर्पण, कहानी-संग्रह, हिंदी, निर्मल वर्मा
हिन्दी	वंश (महाभारत कविता)	प्रभात त्रिपाठी	वंश (काव्य), ओड़िया, हरप्रसाद दास
कन्नड	जय : महाभारत सचित्र मारुकथन	(स्व.) गिरड्डी गोविंदराज	जय : री-टेलिंग ऑफ़ द महाभारत (आख्यान), अंग्रेज़ी, देवदत्त पट्टनायक
कश्मीरी	साख़ियात पस साख़ियात ते मशरिक़ी शेरियात	मो. ज़मां आजुर्दा	साख़ियात पस साख़ियात और मशरिक़ी शेरियात (साहित्यिक समालोचना), उर्दू, गोपीचंद नारंग
कोंकणी	राजवाडे लेखसंग्रह	नारायण भास्कर देसाय	राजवाडे लेख संग्रह (निबंध), मराठी, विश्वनाथ के. राजवाडे
मैथिली	हेराएल जकाँ किछु	सदरे आलम 'गौहर'	खोया हुआ सा कुछ (कविता), उर्दू, निदा फ़ाज़ली
मलयाळम्	श्रीमद् वाल्मीकि रामायण	एम. लीलावती	श्रीमद्वाल्मीकि रामायण (काव्य), संस्कृत, वाल्मीकि
मणिपुरी	मपुङ फादवा	राजकुमार मोबी सिंह	आधे अधूरे (नाटक), हिंदी, मोहन राकेश
मराठी	संशयात्मा	प्रफुल्ल शिलेदार	संशयात्मा (कविता), हिंदी, ज्ञानेंद्रपति
नेपाली	यो प्राचीन वीणा	मणिका मुखिया	दिस एंशेंट लियर (कविता), मलयाळम्, ओ.एन.वी. कुरुप
ओड़िया	श्रीमयी मा	श्रद्धांजलि कानूनगो	श्रीमयी मा (उपन्यास), बाङ्ला, नब कुमार बसु
पंजाबी	गोपाल प्रसाद व्यास दा चौनवां हास व्यंग	के. एल. गर्ग	गोपाल प्रसाद व्यास के चौवन हास्य व्यंग्य (व्यंग्य), हिंदी, गोपाल प्रसाद व्यास
राजस्थानी	नाव अर जाळ	मनोज कुमार स्वामी	चेम्मीन (उपन्यास), मलयाळम्, तकषी शिवशंकर पिल्लै
संस्कृत	असमा वाङ्मञ्जरी	दीपक कुमार शर्मा	असमा वाङ्मञ्जरी (कविता), असमिया, विभिन्न कवि
संताली	सेन दाड़ेयाग आञ मेनखान चेदाग	रूपचंद हांसदा	जेते पारी किंतु केनो जाबो (कविता), बाङ्ला, शक्ति चट्टोपाध्याय
सिंधी	मनजोगी	जगदीश लछाणी	मनजोगी (उपन्यास), हिंदी, प्रबोध कुमार गोविल
तमिळ	तिरुतन मण्यनपिल्लै	कोलचेल मु. यूसुफ़	मण्यनपिल्लैयुदा आत्मकथा (आत्मकथा), मलयाळम्, जी.आर. इंदुगोपन
तेलुगु	गुप्पेडु सूर्युडु मारि कोन्नि कविथलु	ए. कृष्णाराव (कृष्णुडु)	ए हैंडफुल ऑफ़ सन एंड अदर पोएम्स (कविता), डोगरी, पद्मा सचदेव
उर्दू	आख़री सलाम	ज़किया मशहदी	शेष नमस्कार (उपन्यास), बाङ्ला, संतोष के. घोष

भाषा सम्मान अर्पण समारोह

अपराह्न 2.00 बजे साहित्य अकादेमी भाषा सम्मान अर्पण समारोह रवींद्र भवन परिसर में आयोजित हुआ। साहित्य अकादेमी द्वारा भाषा सम्मान कालजयी एवं मध्यकालीन साहित्य एवं क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण, संवर्धन और प्रोत्साहन में उल्लेखनीय योगदान करनेवाले विद्वानों/लेखकों को प्रदान किए जाते हैं। इस वर्ष कालजयी एवं मध्यकालीन साहित्य के लिए भाषा सम्मान से पुरस्कृत लेखक हैं - योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण' (उत्तरी क्षेत्र), गगनेंद्र नाथ दाश (पूर्वी क्षेत्र), शैलजा शंकर बापट (पश्चिमी क्षेत्र) तथा कोशली-संबलपुरी के लिए प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी एवं हलधर नाग, पाइते भाषा के लिए एच. नेंगसाङ और हरियाणवी के लिए हरिकृष्ण द्विवेदी एवं शमीम शर्मा। भाषा सम्मान साहित्य अकादेमी के अध्यक्ष चंद्रशेखर कंबार द्वारा प्रदान किए गए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भाषाओं को लेकर हमारी स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण भी है और भाग्यशाली भी। क्योंकि एक तरफ़ जहाँ हमारे देश में सैकड़ों भाषाएँ एवं बोलियाँ हैं। वहीं कुछ दिनों के अंतराल में कुछ भाषाएँ हमारे बीच से ग़ायब होती जा रही हैं। कार्यक्रम का समाहार वक्तव्य साहित्य अकादेमी के उपाध्यक्ष माधव कौशिक ने दिया। उन्होंने कहा कि देश की भाषा विविधता हमारे लिए एक काल पात्र की तरह है, जिसमें ज्ञान के हज़ारों पन्ने सुरक्षित हैं। यह वह ज्ञान है, जो हमारे पूर्वजों ने सदियों से अपने अनुभवों के आधार पर तैयार किया है। अपने स्वागत भाषण में अकादेमी के सचिव के. श्रीनिवासराव ने कहा कि अकादेमी के लिए हर भाषा महान है और उसको बचाना उसका कार्य। साहित्य अकादेमी इन पुरस्कारों के ज़रिए अलिखित और वाचिक भाषाओं को बचाने का प्रयास कर रही है। भाषा सम्मान प्राप्त करने के बाद पुरस्कृत रचनाकारों ने पाठकों के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत किए। सभी का मानना था कि नई पीढ़ी को अधिक सजगता से उनका साथ देकर इन भाषाओं को बचाना होगा।

भाषा सम्मान से पुरस्कृत विद्वान

योगेंद्र नाथ शर्मा 'अरुण' (1941, हरिद्वार) हिंदी कवि, निबंधकार, समालोचक, कथाकार और पत्रकार हैं। आपकी कुल 40 प्रकाशित पुस्तकों में *दादी माँ ने हाँ कह दी, अभिनंदन, बहती नदी हो जाइए, गीत त्रिवेणी, जीवन अमृत, अक्षर चिंतन, पुष्पदंत, कन्हैयालाल मिश्र प्रभाकर रचना-संचयन* और *अपभ्रंश* प्रमुख हैं। आपको स्वयंभू सम्मान (दो बार), विदुषी विद्योत्तमा सम्मान, शैलीकार सम्मान, कवि नीरज सम्मान और उद्भव शिखर सम्मान आदि प्राप्त हुए हैं।

गगनेंद्र नाथ दाश (1940, कादेई, ओड़िशा) ओड़िया के प्रतिष्ठित विद्वान हैं। आपकी महत्त्वपूर्ण कृतियों में *जनश्रुति काँची-कावेरी, डिस्क्रिप्टिव मॉर्फोलोजी ऑफ़ ओड़िया, निर्वाचित प्रबंध संकलन, लिंग्विस्टिक ग्लोज़री, इमेजिंग ओड़िशा* और *अजाना पथ जे डाके* शामिल हैं। आपको भाषारत्न सम्मान, गोकर्णिका सम्मान, गोपीनाथ नंदा पुरस्कार, जगन्नाथ सम्मान, भारत चंद्र नायक स्मृति सम्मान और स्वतंत्र जगन्नाथ सम्मान से अलंकृत किया गया है।

शैलजा एस. बापट (1949, पुणे, महाराष्ट्र) प्रतिष्ठित विदुषी हैं। *ए क्रिटिकल एडीशन ऑफ़ द ब्रह्मसूत्राज़ (3 खंड), महानुभाव वाङ्मयाच्या व्याख्यान पद्धति (दो खंड), द रोल ऑफ़ अवग्रह साइन इन द बादरायणा'ज़ ब्रह्मसूत्राज़ मैन्युस्क्रिप्ट्स, सिग्निफ़िकेंट मीनिंग ऑफ़ द गायत्री इन द वेदांत फ़िलॉसफ़ी* और *द लैंग्वेज ऑफ़ डिस्कोर्स (कथा) इन न्याय सिस्टम* आदि आपके प्रमुख ग्रंथ हैं। आपको वेदांत विभूषण पुरस्कार और एमेरिटस फेलोशिप प्राप्त हैं।

हलधर नाग (1950, बारगढ़, ओड़िशा) संबलपुरी-कोशली के कवि और लेखक हैं। आप ओड़िशा में 'लोककवि रत्न' के रूप में समादृत हैं। आपकी कुछ प्रमुख कृतियाँ हैं - *भाव, सूरत, अछिया, बछर, महासती उर्मिला, संत कवि भीमाभोई, प्रेम पहचान, कविता संकलन, वीर सुरेंद्र सई और सतिया बिहा* आदि। आपको पद्म श्री, ओड़िया साहित्य अकादमी सम्मान सहित लगभग 800 संस्थानों से सम्मानित किया गया है।

प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी (1945, देश भाटली, जनपद बारगढ़ ओड़िशा) प्रतिष्ठित कवि और कथाकार हैं। स्मार्ट फोन में ओड़िया एवं संबलपुरी-कोशली के उपयोग में वर्तनी परीक्षण तथा भावी शब्दकोश निर्माण आपके महत्त्वपूर्ण कार्य है। *संबलपुरी-कोशली भाषा : एक परिचय, जन मन चालिसा, लुकलुकानी, ओड़िया शब्दकोश और संबलपुरी-कोशली व्याकरण* आदि आपकी प्रमुख कृतियाँ हैं। आपको विशुव मिलन, सेतु, ओड़िशा साहित्य अकादमी पुरस्कार, फकीर मोहन साहित्य परिषद् पुरस्कार, ईशना, उत्कल साहित्य समाज पुरस्कार, पुनर्नवा सम्मान, स्मृति सम्मान और अभिमन्यु साहित्य संसद सम्मान आदि प्राप्त हुए हैं।

एच. नेंगसोंग (1935, काइहलाम, मणिपुर) पाइते, मणिपुरी और अंग्रेजी भाषा के कवि और विद्वान हैं। आपकी 14 से अधिक कृतियों में *हांगज़ोउ फुंग थु, कन्वेंशन उपा ऑर्डेन्ते तानचिन, कन्वेंशन पास्तोर-ते तानचिन, कन्वेंशन वर्कर-ते तानचिन, ग्रेस बाइबिल कॉलेज एत्किकना, पाइते मि खेनखात-ते तानचिन* और *कांस्टीट्यूशन ऑफ एम/एस स्ड्यूल्ड ट्राइब्स वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ मणिपुर* आदि प्रमुख हैं।

हरिकृष्ण द्विवेदी (1944, कैथल, हरियाणा) हरियाणवी के प्रतिष्ठित लेखक हैं। आपकी प्रमुख पुस्तकों में *बोल बखत के, अमरतबाणी 'मसाल', पनघट, जगबाणी, धूपछाम, जगबित्ती, झूठा सच, प्रायश्चित* और *स्वाभिमान* शामिल हैं। आपको जनकवि मेहरसिंह सम्मान और श्रेष्ठ कृति पुरस्कार (दो बार) सहित अनेक पुरस्कार और सम्मान प्राप्त हुए हैं।

शमीम शर्मा (1959, ग्राम झुंबा, जनपद मुक्तसर, पंजाब) प्रतिष्ठित हरियाणवी लेखक हैं। आपकी प्रमुख कृतियों में *हस्ताक्षर, कुरुशंख, चौपाल के मखौल, पंचनाद, चौपाल के चाले, दो नंबर वाली लक्ष्मी, थैंक यू अल्ट्रासाउंड, जादूभरा साथ, एक है शमीम, रोशनी हैं हम* और *मार्बलेस टू मारवेल्स* शामिल हैं। आपको साहित्य-सेवा सम्मान, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मदर टेरेसा द्वारा स्वर्ण पदक तथा 2001 जनगणना के लिए रजत पदक आदि प्राप्त हुए हैं।

साहित्योत्सव
Festival of Letters
28 जनवरी - 2 फ़रवरी 2019

बैगा नृत्य प्रस्तुति

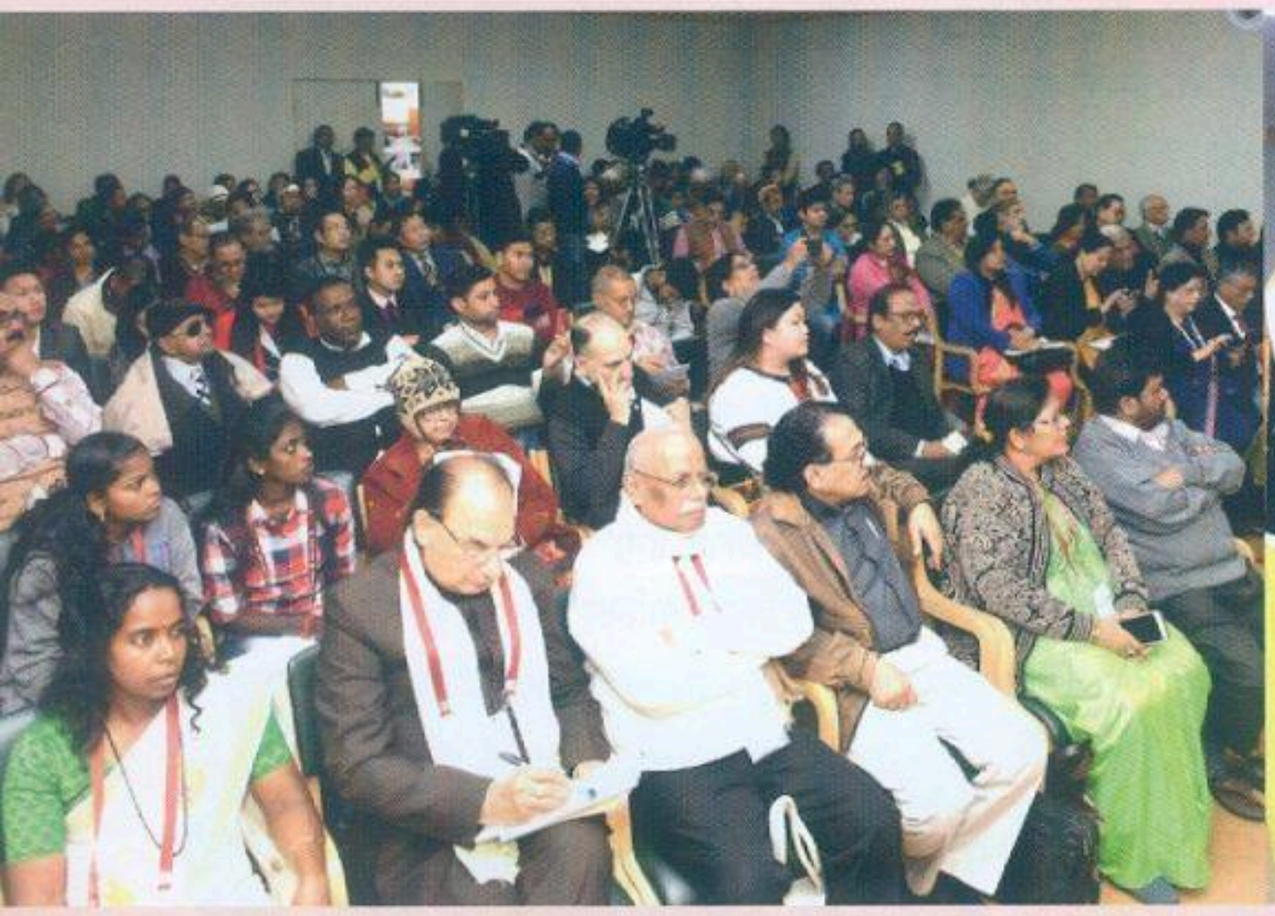

शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत पंडरिया, छत्तीसगढ़ निवासी गोपी कृष्ण सोनी के बैगा युवा नृत्य दल द्वारा बैगा नृत्य की प्रस्तुति की गई। प्रख्यात लोकविद् महेंद्र कुमार मिश्र ने आरंभ में बैगा जनजाति और उसकी विशिष्ट नृत्य शैली एवं परंपराओं के बारे में संक्षेप में प्रकाश डाला।

साहित्योत्सव के कार्यक्रम

30 जनवरी 2019

लेखक सम्मिलन
(पुरस्कृत लेखक अपने रचनात्मक अनुभव साझा करेंगे)
पूर्वाह्न 10.00 - अपराह्न 1.00 बजे, रवींद्र भवन परिसर

पूर्वोत्तरी
उत्तर-पूर्वी और उत्तरी लेखक सम्मिलन
पूर्वाह्न 11.00 - सायं 5.30 बजे, रवींद्र भवन परिसर

परिचर्चा : भाषांतर : अनुवाद की चुनौतियाँ एवं समाधान
प्रख्यात श्रीलंकाई लेखक सांतन अय्यातुरै को प्रेमचंद फ़ेलोशिप 2017 अर्पण
अपराह्न 2.30 - सायं 5.30 बजे, रवींद्र भवन परिसर

संवत्सर व्याख्यान : फ़ैज़ अहमद फ़ैज़ पर गोपीचंद नारंग द्वारा
सायं 6.00 बजे, रवींद्र भवन परिसर

31 जनवरी 2019

आमने-सामने
साहित्य अकादेमी पुरस्कार 2018 से पुरस्कृत लेखकों की प्रतिष्ठित साहित्यकारों/विद्वानों से साथ बातचीत
पूर्वाह्न 10.00 - अपराह्न 1.30 बजे, रवींद्र भवन परिसर

युवा साहिती : नई फसल
अखिल भारतीय युवा लेखक सम्मिलन
पूर्वाह्न 10.30 - सायं 5.30 बजे, रवींद्र भवन परिसर

सांस्कृतिक कार्यक्रम : गायन-बायन, माटी अखरा एवं राम विजय खंड दृश्य
श्री श्री उत्तर कमलाबाड़ी सत्र, शंकर देव कृष्टि संघ, असम द्वारा
सायं 6.00 बजे, रवींद्र भवन परिसर

राष्ट्रीय संगोष्ठी : भारतीय साहित्य में गाँधी
पूर्वाह्न 11.00 - सायं 5.30 बजे
साहित्य अकादेमी सभागार

1 फ़रवरी 2019

राष्ट्रीय संगोष्ठी : भारतीय साहित्य में गाँधी (जारी...)
पूर्वाह्न 10.00 - सायं 6.00 बजे, साहित्य अकादेमी सभागार

परिचर्चा : मीडिया और साहित्य
पूर्वाह्न 11.00 - अपराह्न 1.30 बजे, रवींद्र भवन परिसर

परिचर्चा : नाट्य लेखन का वर्तमान परिदृश्य
अपराह्न 2.30 - सायं 5.30 बजे, रवींद्र भवन परिसर

सांस्कृतिक कार्यक्रम : इंडो-फ्यूज़न संगीत : सुनीता भुयाँ एवं समूह द्वारा
सायं 6.00 बजे, रवींद्र भवन परिसर

2 फ़रवरी 2019

राष्ट्रीय संगोष्ठी : भारतीय साहित्य में गाँधी (जारी...)
पूर्वाह्न 10.00 - सायं 6.00 बजे, साहित्य अकादेमी सभागार

आओ कहानी बुनें : बच्चों के लिए विविध कार्यक्रम
पूर्वाह्न 10.30 - अपराह्न 2.00 बजे, रवींद्र भवन परिसर

परिचर्चा : भारत में प्रकाशन की स्थिति
पूर्वाह्न 11.00 बजे - अपराह्न 1.30 बजे, रवींद्र भवन परिसर

ट्रांसजेंडर कवि सम्मिलन
अपराह्न 2.30 - सायं 5.00 बजे, रवींद्र भवन परिसर

साहित्य अकादेमी
रवींद्र भवन, 35, फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110001
ईमेल : secretary@sahitya-akademi.gov.in
दूरभाष : 011-23386626/27/28, फ़ैक्स : 011-23382428
वेबसाइट : http://www.sahitya-akademi.gov.in